कंजर आजीविका विकास परियोजना झालावाड़

ग्राम हाजर्डिया एक नजर में

ग्राम हाजर्डिया कंजर बस्ती जिला मुख्यालय झालवाड से 137 किलोमीटर गंगधार तहसील मे गंगधार से 12 किलोमीटर दुरी पर बर्डिया बीरजी गांव के पास जंगल में बसी हुई है। इस बस्ती मे कुल परिवारो की संख्या 30 है । कंजर बस्ती मे पुरूषो की संख्या 25 पुरूष और 25 महिलाये है कि 25 लडके और 12 लडकियां है। कुल जनसंख्या 87 है। ये कंजर बस्ती जंगल मे बसी होने के कारण इन परिवारो को आधारभुत सुविधाएं उपलब्ध नही है। इनके गांव मे एक प्राथमिक विद्यालय है जिसमे केवल इनके ही बच्चे पढ़ते है गांव का पंचायत कार्यालय, मिडिल स्कूल ,स्वास्थ्य केन्द्र,आंगनवाडी आदि बर्डिया बीरजी गांव में हैं

परियोजना के बाद ग्राम हाजर्डिया कंजर बस्ती मे परिवर्तन

इण्डियन फार्म फोरेस्ट्री डवलपमेन्ट को–ऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा **राजस्थान कौशल व आजीविका मिशन–जयपुर** के तत्वाधान मे **युएनडीपी** के वित्तिय सहयोग से संचालित कंजर आजीविका विकास परियोजना के तहत ग्राम हाजर्डिया मे माह नवम्बर,2009 से कार्य प्रारम्भ किया गया।

परियोजना के तहत ग्राम हाजर्डिया मे निम्न कार्य किए गए।

- परियोजना के तहत दो स्वंय सहायता समूह एंव एक ग्राम डेरा विकास समिति का गठन किया गया।
- 23 लोगो के मकानो की मरम्मत कराई गई।
- आशापाली स्वयं सहायता समूह को डोलर मशीन दी गई जिससे 07 व्यक्ति लाभन्वित हो रहे है।
- एक युवक को मोटर बाइडिंग प्रशिक्षिण दिलवाया गया ।
- आठ महिलाओ को सिलाई प्रशिक्षण दिया गया ।
- 16 महिलाओ को स्वच्छता कीट, 7 लोगो को आटा डिब्बा, 5 लोगो को अनाज कोठी एंव 15 परिवारो को न्युट्री–गार्डन कीट प्रदान किये गये।
- 10 बच्चो को मण्डाना आवासीय विद्यालय में प्रवेश करवाया।
- 08 लोगों को फसलों के उन्नत बीज का वितरण किया गया।
- दो लोगों को एक्सपोजर भम्रण कराया एंव 4 लोगो उन्नत कृषि तकनिकी व पशुपुालन प्रबन्धन प्रशिक्षण दिया गया। एंव एक किसानके यहां ग्रीन नेट लगवाया। 4 सिानो के यहां कम्पोस्ट पीट बनवाए।

सामाजिक क्षैत्र में कार्यः–कंजर समाज को विमुक्त जाति मे माना जाता है यह लोग मुख्यतः शराब पीना व मांस का सेवन त्योहारो पर व अन्य अवसर पर करते थे अतः यह कर्जे मे डूबे रहते थे प्रारभिक अध्यन मे यह महत्वपूर्ण समस्या थी इन सभी कार्य को बन्द या कम करवाना आवश्यक मान कर उनमे शाकाहार को अपनाना व त्योहारो मे सादा खाना बनवाने की भावना जागृत कि गई गांव मे लोगो द्वारा दाल बाटी का खाना त्योहार पर किया गया जिसमे अन्य समुदाय के लोगो ने भाग लिया व इस कार्यक्रम कि प्रशंसा कि लोगो द्वारा भक्ति गीतो का आयोजन किया जाने

लगा जिससे पशुबलि भी कम हो गई व लोगो द्वारा शराब का सेवन भी कम कर दिया गया समूह चलाने हेतु महिलाओ को हस्ताक्षर सीखा कर बचत की भावना पैदा कि गई व लोगो द्वारा पैसा एकतित्रत कर बैंक मे जमा करवाना व रूचि अनुसार कार्य का प्रशिक्षण देकर कर्जा भी कम करवाने की कोशिश की गई गॉव वालो द्वारा माताजी का चबूतरा बनाकर पूजा पाठ करना प्रारभ कर दिया गया व समय समय पर बैठक करने हेतु ग्रामीणो द्वारा एक चबूतरा का निर्माण गांव के बीच मे किया गया अब घर के आसपास सफाई कि व्यवस्था भी ठीक है। घर के आसपास पडा कुडा एक जगह डालने व गोबर का इस्तेमाल पी एस एन खाद बनाने हेतु बताया गया जिससे खेत मे डालने से खाद का उपयोग भी होगा व बाजार से खाद नही खरीदनी पडेगी यह बात गांव वालो को समझ मे आ गई व उन्होने 4 पी एस एन कम्पोस्ट का निमार्ण किया।

शिक्षा के क्षैत्र मे कार्य :–गांव का शिक्षा का स्तर बहुत खराब था कंजर समुदाय कि महिलाये ज्यादातर निरक्षर थी पूरे गंगधार ब्लाक मे सिर्फ एक युवक 10 वी पास है इसका प्रमुख कारण था बच्चो को स्कुल ना भेजना ज्यादातर

बच्चे बकरी चराने का व अन्य जाति के खेतो पर बन्धुआ मजदुर के रूप मे कार्य करते थे अगर बाहरी स्कूल जाते भी थे तो अन्य उच्च जाति के लोग उनके साथ मारपीट किया करते थे जिससे गांव मे नही पढने नही जाते थे साथ ही उन लोगो को यह भी नही पता था कि किस विभाग से उनको किस प्रकार का फायदा हो सकता है। इस क्षैत्र मे सर्वप्रथम 40 बच्चो का सर्वे कर हाजर्डिया गांव के 10 लडको को मण्डाना आवसीय स्कूल मे प्रवेश करवाया गया जो समाज कल्याण विभाग एंव जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया। डेरा कमेटी कि बैठक मे समय समय पर सरकारी योजनाओ कि जानकारी देकर उनको लाभ लेने हेतु प्रोतसाहित किया गया जिसके परिणाम स्वरूप 30 आय/जाति/व मूल निवासी प्रमाण पत्र बनवाये गये 7 सदस्यो द्वारा विधवा/वुद्वावस्था /व विकलागं पेशन हेतु आवेदन किया गया 2 महिलाओ को पालनहार योजना का लाभ दिलवाया गया बाकि छोटे बच्चो को स्कूल जाने हेतु उनके माता पिता से चर्चा कर रोज जाने हेतु प्रेरित किया गया ताकि भविष्य मे उनको भी मण्डाना आवसीय स्कूल भेजा जा सके ।

आजीविका के क्षैत्र मे कार्य :–गांव वालो के पास सबसे बडी समस्या थी उनके पास रोजगार का ना होना गांव मे सर्वप्रथम सर्वे मे यह पता चला कि गांव के लोगो द्वारा कुआ गहरीकरण करने कि डोला मशीन चलाने का अनुभव है एंव खेती का कार्य भी कर सकते है अतः उनको 20 से 22 साल के 7 सदस्यो को एक डोला मशीन दिलाई गई जिससे उनको पूरी मजदूरी व स्वयं कि मेहनत का उचित भुगतान मिलने लगा जो पहले ठेकेदार के पास कार्य करने से नही मिलता था डोला मशीन से उन्होने 13500 रू कमाऐ 8 महिलाओ को सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया जिससे ये लोग स्वयं का व अपने बच्चो के कपडे बनाने लगी 1 सदस्य को मोटर वाईडिग कि ट्रेनिंग दी गई जो घरेलु व कृषि उपयोग मे आने वाली चीजो को गॉव मे ही ठीक करने लगा समूह के माध्यम से लोगो मे बचत कि भावना जागृत हुई व लोगों द्वारा पैसा जमा कर बैक मे आना–जाना व नई जानकारी को प्राप्त करने का अवसर मिला।

मकानो का जीर्णोधारः– ग्राम हाजर्डिया में 23 मकान डीपीआईपी योजना अर्न्तगत बनाए गए थें जिसमे छत कार्य सही नही होने के कारण बरसात मे सभी मकान टपकते थे बरसात के समय इन मकानो कोई नही रहता था अलग से 500 से 700 रू व्यय कर अलगसे झोपडी बनाकर पन्नी डालकर रहना पडता था अतःउनको परियोजना के अर्न्तरगत 23 मकानो को ठीक करवाया गया व उनमें छत मरम्मत, प्लास्टर व दरवाजे एंव खिडकियां लगवाई गई अब सभी परिवार इन मकानो मे व्यवस्थित रूप से रहने लगे। गांव के बाहर मदिर का निमार्ण कर पूजा पाठ कि जाने लगी व गांव के अन्दर चबूतरा का निमार्ण कर समूह की बैठक व अन्य सामाजिक कार्य किया जाने लगा ।

कृषि के क्षैत्र मे कार्य :– कृषि के बारे मे इन लोगों बहुत ही कम जानकारी थी व लोगों के पास ज्यादा जमीन भी नही थी गॉव हाजर्डिया मे जिला प्रशासन द्वारा 54 बीघा जमीन बांटी गई पहले इनके उपर ज्यादा पुलिस केस होने के कारण ये लोग जंगल मे धूमते रहते थे उनकी कृषि क्षैत्र मे रूचि को देखकर उनको सोयाबीन गेहु मैथी मक्का एव मटर इत्यादि के बीज उपलब्ध करवाये गये सिंचाई के साधन कि कमी होने के बाद भी बेहेतर तरीके से खेती करने लगे एंव बरसात के सीजन मे न्यूट्री–गार्डन कीट दिये गये जिससे उन्होने 3 माह तक हरी सब्जी बाजार से नही खरीदी व घर के आस–पास बाडी लगाकर सब्जीयां खाई । नर्सरी तैयार करने हेतु एक ग्रीन नेट लगवाया गया जिसमे प्याज मिर्ची टमाटर व बैंगन कि नर्सरी तैयार कि गई व पौध तैयार कर बैची गई गांव मे दो लोगो ने बाडी बनाकर सब्जी तैयार कि गई व इस कार्य मे 5000 रू कि आमदनी किसान द्वारा कमाई कि गई।

ग्राम हाजर्डिया कंजर बस्ती मे पिछले एक वर्ष मे किसी भी ने अवांछित गतिविधियां नही की है और एक वर्ष में इनका एक भी केस दर्ज नही है।